



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 432] नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 25, 1985/आश्विन 3, 1907
No. 432] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPT. 25, 1985/ASVINA 3, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके ।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1985

सा. का. नि. 760(अ) :—महालेखा परीक्षक और नियंत्रक (कर्त्तव्य, शक्तियाँ और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 (1971 का 56) की धारा 10 की उप धारा (1) की तैयारी प्रारम्भ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महालेखा परीक्षक और नियंत्रक के साथ विचार-विमर्श करने के पश्चात् राष्ट्रपति एतद् द्वारा महालेखा परीक्षक और नियंत्रक को जम्मू और कश्मीर राज्य सरकार

854 GI/85

(1)

के कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि (प्रवर) लेखे रखने की जिम्मेदारी से मुक्त करती है ।

2. यह आदेश 1985-86 के लेखा से प्रभावी होगा ।

राष्ट्रपति के आदेश और नाम से

[संख्या एफ. 1(36)-बी. (ए.सी.)/85]

ए. रंगाचारी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

ORDER

New Delhi, the 18th September, 1985

G.S.R. 760(E).—In exercise of the powers conferred by the third proviso to sub-section (1) of section 10 of the Comptroller and Auditor-General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 (56 of 1971), the President, after consultation with the Comptroller and Auditor General hereby relieves the Comptroller and Auditor-General from the responsibility for keeping the General Provident Fund (Superior) Accounts of Employees of the Government of the State of Jammu and Kashmir.

2. This order shall come into force with effect from the accounts of 1985-86.

By order and in the name of the President.

[No. F. 1 (36)-B(AC)]85]

A. RANGACHARI, Jt. Secy.